BRIEFING PAPERS

ग्लोबल स्टेट ऑफ टोबैको हार्म रिडक्शन (GSTHR)
अधिक प्रकाशनों के लिए GSTHR.ORG पर जाएँ

CC BY

# नॉर्वे में स्नस सिगरेट की जगह कैसे ले रहा है: एक क्रांति जो उपभोक्ताओं और नए-नए प्रोडक्ट लाने से आई

gsthr.org
@globalstatethr
@gsthr

## परिचय

नॉर्वे का पड़ोसी देश स्वीडन तंबाकू से होने वाली हानि में कमी की क्षमता को दिखाने वाले दुनिया के उन सबसे प्रसिद्ध उदाहरणों में से एक है, जिसने सिगरेट के उपयोग को समाप्त करने की दिशा में सफलता पाई है। नॉर्वे में भी एक सुरक्षित निकोटिन उत्पाद के उपयोग में हुई तेज वृद्धि के साथ-साथ धूम्रपान दरों में भारी गिरावट देखी गई है। स्नस अब इस देश का सबसे अधिक प्रचलित तंबाकू उत्पाद बन चुका है और यह ब्रीफिंग पेपर इसकी सफलता की कहानी की पड़ताल करता है।

## नॉर्वे में तंबाकू उपयोग का इतिहास क्या है?

नॉर्वे में सोलहवीं शताब्दी से लोग तंबाकू का सेवन कर रहे हैं,[i] हालांकि यहाँ सिगरेट पीने का व्यापक प्रसार 1900 के शुरुआती वर्षों तक शुरु नहीं हुआ था।[ii] 1950 के दशक के अंत में देश में दैनिक धूम्रपान की दर पुरुषों में 65% और महिलाओं में 1970 में 37% तक पहुँच गई थी।[iii]

लेकिन नॉर्वे में तंबाकू के गैर-दहनशील (बिना जलाए सेवन किए जाने वाले) रुपों का भी एक लंबा इतिहास रहा है। इसका सबसे प्रमुख उदाहरण है स्नस — यह एक मुँह से लिया जाने वाला तंबाकू उत्पाद है जिसका उपयोग इस देश में 200 सालों से भी पहले से हो रहा है। स्नस का नाम स्वीडिश शब्द „snuff" से आया है और यह एक सुरक्षित निकोटिन उत्पाद है, जिसे पीसे गए तंबाकू के पत्तों को नमक और पानी में मिलाकर तैयार किया जाता है। इसमें तंबाकू के धुएँ की खाद्य-ग्रेड सुगंध या अन्य स्वाद भी हो सकते हैं। इसे ऊपरी होंठ के नीचे दबाकर इस्तेमाल किया जाता है — ये या तो छोटे टीबैग जैसे पाऊच (जिन्हें पोर्शन स्नस कहा जाता है) में आता है या छुट्टा भी मिलता है।

चूंकि स्नस के उपयोग में तंबाकू को जलाना नहीं होता, इसलिए यह धूम्रपान के कई स्वास्थ्य जोखिमों से बचाव करता है। स्नस में सिगरेट के धुएँ में पाए जाने वाले कई विषैले तत्वों की मात्रा कम होती है, जिनमें तंबाकू-विशिष्ट नाइट्रोसामाइंस शामिल हैं, जो तंबाकू में पाए जाने वाले प्रमुख कैंसरजनक पदार्थों में से एक हैं।[iv]

दूसरे विश्व युद्ध के बाद से स्नस नॉर्वे में सबसे आम प्रकार की स्मोकलेस (बिना धुएं वाली) तंबाकू रही है। लेकिन उससे पहले, चबाने वाली प्लग तंबाकू को सबसे ज़्यादा पसंद किया जाता था, जिसका बाज़ार में 60% तक हिस्सा था।[v] स्नस 1992 से पूरे यूरोपीय संघ में (स्वीडन को छोड़कर) प्रतिबंधित है, लेकिन नॉर्वे यूरोपीय संघ का सदस्य नहीं है, इसलिए यहाँ यह कानूनी रूप से उपलब्ध है।

## धूम्रपान का नॉर्वे के लोगों के स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ा है?

पिछले 50 वर्षों से सिगरेट का उपयोग लगातार घट ही रहा है, फिर भी 2015 के एक अध्ययन में पाया गया कि नॉर्वे में 70 वर्ष की उम्र से पहले होने वाली समयपूर्व मौतों के 20% के लिए धूम्रपान ज़िम्मेदार था।[vi] उसी साल किए गए एक दूसरे शोध के अनुसार, हर साल लगभग 6,300 लोगों की तंबाकू से संबंधित बीमारियों के कारण मृत्यु होती थी।[vii] एक अनुमान में यह पाया गया कि नॉर्वे में 2009 में 35 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की 13% मौतें तंबाकू धूम्रपान के कारण हुई थी।[viii] जहाँ पुरुषों में फेफड़ों के कैंसर से मृत्यु दर 2011 से घटने लगी थी, वहीं 2013 में महिलाओं के लिए यह दर अभी भी बढ़ रही थी[ix] और 2018 में यह अपने चरम पर पहुंच गई।[x] एक अध्ययन से यह भी सामने आया कि यदि महिलाएँ धूम्रपान नहीं करतीं तो नॉर्वे में फेफड़ों के कैंसर के 10 में से 8 से ज़्यादा मामलों को रोका जा सकता था।[xi]

## नॉर्वे में तंबाकू उत्पादों के उपयोग को रोकने के लिए क्या किया गया है?

1960 के दशक के मध्य में नॉर्वेजियन संसद ने तंबाकू के उपयोग से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को कम करने के उपायों की जाँच शुरु की। इसी प्रयास का परिणाम था नॉर्वेजियन टोबैको एक्ट, जो 1975 में लागू हुआ और तभी से देश तंबाकू नियंत्रण की नीतियों में अग्रणी रहा है।[xii] नॉर्वेजियन हेल्थ डायरेक्टरेट तो अपनी वेबसाइट पर बताती है कि नॉर्वे को „एक ऐसा देश माना जाता है जिसकी तंबाकू पर कड़ी कानूनी नीतियाँ हैं"।[xiii] यह यूरोप के उन शीर्ष पाँच देशों में शामिल है जहाँ तंबाकू नियंत्रण सबसे मजबूत है।[xiv]

1975 के अधिनियम के तहत, सभी तंबाकू उत्पादों पर स्वास्थ्य चेतावनी देना अनिवार्य कर दिया गया और तंबाकू उत्पाद खरीदने की न्यूनतम आयु 16 वर्ष निर्धारित की गई। इस कानून से नॉर्वे तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाने वाले पहले देशों में से एक बन गया था।[xv]

1988 में, नॉर्वेजियन संसद ने तंबाकू अधिनियम में एक नया प्रावधान जोड़ा, जिसके तहत सार्वजनिक रूप से पहुँचे जा सकने वाले स्थानों और ऐसे कार्य स्थलों पर धूम्रपान प्रतिबंधित कर दिया गया जहाँ दो या ज़्यादा लोग एकत्रित होते हों।[xvi] अगले साल, सभी नए प्रकार के तंबाकू और निकोटिन उत्पादों के आयात और बिक्री पर आम प्रतिबंध लगा दिया गया, हालांकि यह प्रतिबंध स्नस पर लागू नहीं था। इसके बाद के वर्षों में, रेस्तरां, बार और कैफे में धूम्रपान पर भी सीमाएँ लगाई गईं और इन जगहों में से केवल दो-तिहाई में इसकी अनुमति बची रही। टोबैको एक्ट को और सख़्त किया गया ताकि तंबाकू उत्पाद (जिसमें स्नस भी शामिल है) केवल 18 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों को ही बेचे जा सकें और एक टोल-फ़्री क्विट लाइन भी शुरु की गई।

फिर 2004 में, नॉर्वे आयरलैंड के बाद ऐसा दूसरा देश बन गया जिसने राष्ट्रीय स्तर पर धूम्रपान पर प्रतिबंध लागू किया। इसका अर्थ था कि कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थानों दोनों में धूम्रपान वर्जित था,[xvii] हालांकि कुछ ऐसे निजी क्लबों को छूट दी गई है जिनमें खाना खाने की सुविधा नहीं है।[xviii] यहाँ यह भी बताना आवश्यक है कि इस समय वेपिंग पर भी धूम्रपान जैसी ही पाबंदियाँ हैं, जिसमें इनडोर उपयोग पर प्रतिबंध भी है।[xix] नॉर्वे 2005 में प्रभाव में आए फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन टोबैको कंट्रोल (FCTC) की पुष्टि करने वाला पहला देश भी था।[xx]

2010 से, तंबाकू उत्पादों को बिक्री के लिए प्रदर्शित नहीं किया जा सकता था और 2018 में नॉर्वे ऐसा पहला देश बन गया जिसने स्नस पर प्लेन पैकेजिंग के नियम लागू किए।[xxi] यह कानून सभी तंबाकू उत्पादों पर लागू होता है, जिनमें सिगरेट भी शामिल हैं, और इसके तहत पैकेजिंग पर निर्माता का लोगो या रंग नहीं दिखाए जा सकते। इसकी जगह, सभी तंबाकू उत्पादों की पैकेजिंग में एक जैसा रंग रखना होता है और ब्रांड का नाम भी एक सामान्य रंग और स्टाइल में लिखना होता है।[xxii] सभी तंबाकू उत्पादों, जिसमें स्नस भी शामिल है, पर स्वास्थ्य चेतावनियाँ देना अनिवार्य है।[xxiii]

## नॉर्वे में कौन से सुरक्षित निकोटिन उत्पाद उपलब्ध हैं?

नॉर्वे में जहाँ स्नस को कानूनी रूप से खरीदा जा सकता है, वहीं सभी सुरक्षित निकोटिन उत्पाद वहाँ उपलब्ध नहीं हैं। वर्तमान में इस देश में उन उत्पादों का निर्माण करना या उन्हें लाना अवैध है जो „पारंपरिक तंबाकू या निकोटिन उत्पादों"

की श्रेणी में नहीं आते। इन पारंपरिक उत्पादों में सिगरेट, सिगार, सिगारिलो, धूम्रपान तंबाकू, चबाने वाली तंबाकू और ऊपर उल्लिखित स्नस शामिल हैं।[xxiv]

दरअसल, सभी नए तंबाकू और निकोटिन उत्पादों को नॉर्वेजियन हेल्थ डायरेक्टोरेट द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक है और इसके बाद ही उन्हें देश में बेचा जा सकता है।[xxv] इस लेखन के समय, निकोटिन पाऊच और हीटेड टोबैको उत्पादों के कुछ निर्माताओं ने हेल्थ डायरेक्टोरेट को आवेदन दिए हैं, लेकिन अभी तक किसी भी आवेदन को मंजूरी नहीं मिली है। इसका अर्थ है कि ये उत्पाद प्रभावी रूप से नॉर्वे में प्रतिबंधित ही हैं।[xxvi] निकोटिन पाऊच के आवेदनों को इस डर से अस्वीकार कर दिया गया कि ये युवा लोगों को आकर्षित कर सकते हैं।[xxvii] लेकिन एक अजीब कानूनी तकनीकी खामी के कारण ऐसे निकोटीन पाऊच, जिनमें कम मात्रा में तंबाकू होती है उन नियमों को दरकिनार कर सकते हैं जो आमतौर पर पाऊच के आयात पर रोक लगाते हैं।[xxviii] ऐसे पाऊच नॉर्वे के मौजूदा कानूनों के अंतर्गत कानूनी रूप से खरीदे जा सकते हैं, क्योंकि ये स्नस की बिक्री की अनुमति देने वाले प्रावधान में आते हैं।

नॉर्वे में वेपिंग की स्थिति जटिल है। वर्तमान में कंपनियों के लिए निकोटिन युक्त वेपिंग उत्पादों का आयात, निर्माण और बिक्री करना प्रतिबंधित है।[xxix] यह 1989 में लागू किए गए उन नियमों का परिणाम है जिनमें नए निकोटिन और तंबाकू उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया गया था।[xxx] भले ही नॉर्वेजियन संसद ने 2016 में निकोटिन वेप्स पर से प्रतिबंध हटाने के पक्ष में मतदान कर दिया था पर यह स्थिति आज भी बनी हुई है। इस बदलाव को नॉर्वे के यूरोपीय संघ के टोबैको प्रोडक्ट डायरेक्टिव (TPD) को अपनाने के प्लान के साथ प्रभाव में आना था। पर इस पर अभी तक अमल नहीं हुआ है क्योंकि इसके पहले TPD पर यूरोपीय आर्थिक क्षेत्र (European Economic Area – नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन और यूरोपीय संघ के बीच एक आंतरिक बाजार समझौता) में चर्चा होनी जरूरी है जो अभी तक नहीं हुई है। सैद्धांतिक रूप से, जुलाई 2021 में नए तंबाकू और निकोटिन उत्पादों के आयात और बिक्री पर लगा सामान्य प्रतिबंध हटा लिया गया था और इसकी जगह अनुमोदन योजना लाई गई, जो मुख्य रूप से TPD के अनुच्छेद 19 पर आधारित थी। लेकिन चूंकि यह एक अंतरिम व्यवस्था है, इसलिए निकोटिन युक्त वेप्स पर प्रतिबंध अभी भी जारी है।[xxxi]

यह स्थिति 2025 में बदलने की संभावना है, जब TPD को लागू किया जाएगा और नए नियम लागू होंगे, जिससे निकोटिन युक्त वेप्स की बिक्री कानूनी हो[xxxii,xxxiii] इस कानून के तहत निर्माताओं और आयातकों को अपने उत्पादों को नॉर्वेजियन मेडिकल प्रोडक्ट्स एजेंसी में बिक्री से छह महीने पहले पंजीकृत कराना होगा।[xxxiv] इसके अतिरिक्त, वेपिंग उत्पादों को अब मानकीकृत पैकेजिंग में बेचना अनिवार्य होगा।

हालाँकि नॉर्वे में निकोटिन वेप्स पर प्रतिबंध है, फिर भी कुछ घरेलू दुकानें ऐसी हैं जो ऐसे उपकरण और ई-लिक्विड बेचती हैं जिनमें निकोटिन नहीं होता। हाल ही तक ये दुकानें बिना निकोटिन वाले वेप्स बेच सकती थीं जिनमें फल, बेरी, कॉफी और डेज़र्ट जैसे अनेक स्वाद होते थे। लेकिन जुलाई 2024 से टोबैको डैमेज एक्ट में बदलाव के तहत, तंबाकू के अलावा किसी भी अन्य स्वाद वाले वेप्स की बिक्री प्रतिबंधित कर दी गई है, और यही कानून निकोटिन वेप्स पर भी लागू होगा जब वे कानूनी हो जाएंगे। यह बदलाव महत्वपूर्ण है क्योंकि लगभग 80% वेप उपभोक्ता ऐसे फ्लेवर वाले वेप्स का उपयोग करते हैं जिन्हें अब प्रतिबंधित कर दिया गया है।[xxxv]

हालाँकि नॉर्वे में लोग मनोरंजन के लिए निकोटिन युक्त वेप्स का उपयोग नहीं कर सकते लेकिन फिर भी यह ध्यान देने योग्य है कि वेप्स का उपयोग धूम्रपान छोड़ने के साधन के रूप में करने वाले लोग इन उत्पादों को अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए विदेश से कानूनी रूप से मंगा सकते हैं।[xxxvi]अनुमान है कि नॉर्वे में वेप का उपयोग करने वाले लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले 80% ई-लिक्विड विदेशी विक्रेताओं और इंटरनेट के माध्यम से मंगाए जाते हैं।[xxxvii] यह भी बताया गया है कि लगभग 1,50,000 लोग वेप्स का उपयोग करते हैं, जिनमें से 97% वर्तमान या पूर्व में धूम्रपान करने वाले हैं।[xxxviii] नॉर्वे के सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान द्वारा किए गए एक दूसरे शोध से पता चला है कि 2017 से 2022 के बीच 16 से 74 वर्ष की आयु के 0.9% लोग रोज वेप करते थे, जबकि 2% लोग कभी-कभी वेप करते थे।[xxxix]

## वयस्कों में स्नस का उपयोग कितना है और धूम्रपान की दर में कैसे बदलाव आया है?

नॉर्वे के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले कुछ दशकों में स्नस (snus) के उपयोग में बढ़त के साथ दूसरी ओर देश में धूम्रपान की दर में तेज़ गिरावट आई है। 2023 में, 16 से 74 वर्ष की आयु के बस 7% नॉर्वेजियन लोग रोज धूम्रपान करते

थे, जिनमें 16-24 आयु वर्ग के केवल 3% लोग थे।[xl] वहीं, 55-64 वर्ष की महिलाओं में 12% और उसी आयु वर्ग के पुरुषों में 14% लोग अब भी धूम्रपान करते हैं, जबकि युवा नॉर्वेजियन लोगों में धूम्रपान लगभग समाप्त हो गया है। 2023 में 16-34 वर्ष की महिलाओं में केवल 2% और 16-24 वर्ष के पुरुषों में केवल 4% लोग प्रतिदिन धूम्रपान कर रहे थे।

यदि ऐतिहासिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो आज से चालीस साल पहले वयस्कों में धूम्रपान की दर छह गुना अधिक थी जब लगभग आधे वयस्क धूम्रपान करते थे। 1973 में, 16 से 74 वर्ष की आयु के 42% नॉर्वेजियन प्रतिदिन धूम्रपान करते थे, जिनमें 25-34 आयु वर्ग के 50% लोग शामिल थे। यह दर 45-54 वर्ष के पुरुषों में 59% और 25-34 वर्ष की महिलाओं में 46% तक पहुंच चुकी थी।

यदि स्नस के उपयोग को देखा जाए, तो पिछले बीस वर्षों में इसमें बड़ा बदलाव आया है। 2005 में, 16 से 74 वर्ष के केवल 5% लोग प्रतिदिन स्नस का उपयोग करते थे। 2023 में यह संख्या तीन गुना बढ़कर 16% हो गई। इसका अर्थ है कि अब धूम्रपान करने वालों की तुलना में दोगुने लोग स्नस का उपयोग करते हैं (16% बनाम 7%)। 25-34 वर्ष के पुरुषों में यह आंकड़ा 34% और महिलाओं में 23% तक पहुंच गया है।

नॉर्वे में धूम्रपान और स्नस उपयोग की प्रचलन दर, 2005–2023

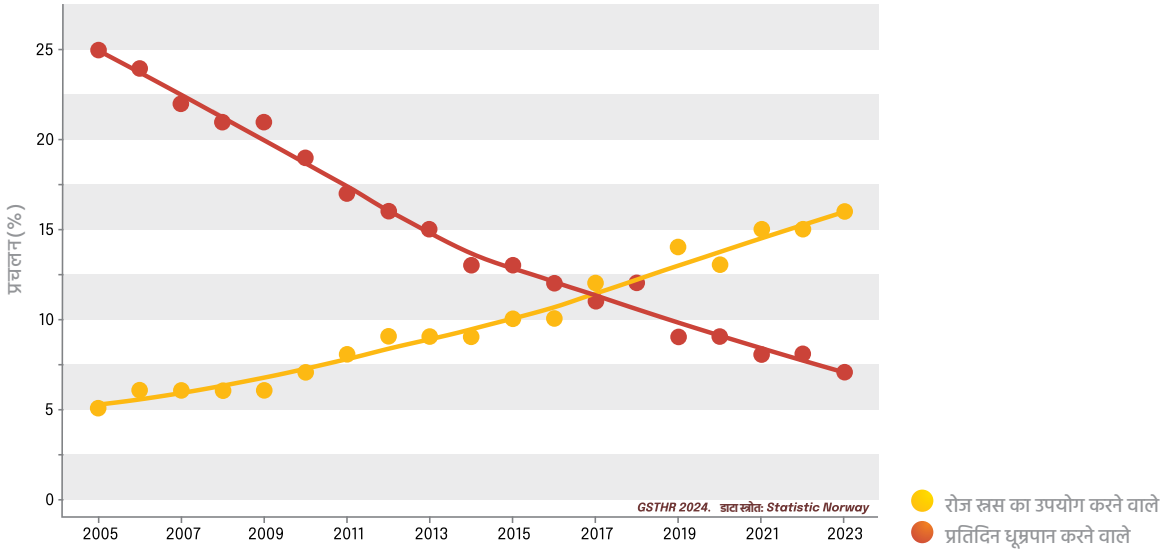


यह उल्लेखनीय है कि 2017 पहला साल था जब नॉर्वे में रोज स्नस (Snus) उपयोग करने वालों की संख्या सिगरेट पीने वालों से ज़्यादा हो गई।[xli] 2017 में, 16 से 74 वर्ष की आयु के नॉर्वेजियन लोगों में जहाँ 11% लोग प्रतिदिन सिगरेट पीते थे, वहीं 12% लोग प्रतिदिन स्नस का उपयोग करते थे। हालाँकि कुछ लोग सिगरेट और स्नस दोनों का एक साथ उपयोग करते हैं लेकिन यह बहुत ही कम होता है। एक अध्ययन से पता चला कि 6.8% पुरुष दोनों का एक साथ उपयोग करते हैं, परंतु केवल 1% लोग ही रोज इन दोनों उत्पादों का सेवन करते हैं।[xlii]

## नॉर्वे में लोगों ने स्नस की ओर तेजी से रुख क्यों किया?

1960 के दशक में अमेरिका के सर्जन जनरल और ब्रिटेन के रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन्स द्वारा प्रकाशित रिपोर्टों ने धूम्रपान और फेफड़ों के कैंसर के बीच संबंध को उजागर किया,[xliii] जिससे पूरी दुनिया में धूम्रपान के खतरों के प्रति जागरूकता बढ़ने लगी। नॉर्वे में तंबाकू नियंत्रण के कई उपायों को जल्दी अपनाने के कारण 1970 के दशक से ही सिगरेट के उपयोग के प्रति एक नकारात्मक माहौल बनने लगा, जिसमें धूम्रपान को सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से कलंकित माना जाने लगा। साथ ही, 1980 और 1990 के दशकों में आए कानूनी बदलावों की एक पूरी श्रृंखला ने उन जगहों की संख्या को सीमित कर दिया जहाँ लोग धूम्रपान कर सकते थे। इससे सिगरेट की जगह एक सुरक्षित और अधिक स्वीकार्य तंबाकू उत्पाद को एक विकल्प रूप में आने का मौका मिला।

नॉर्वे में स्नस के लंबे समय से उपयोग के कारण यह ज्वलनशील सिगरेटों के विकल्प के रूप में उभरने की क्षमता रखता था, लेकिन यह तब तक आकर्षक विकल्प नहीं बना जब तक कि 1990 के दशक के अंत में इसके कम हानिकारक रूप उपलब्ध नहीं हुए। इसी दौरान लो-नाइट्रोसामीन स्नस का प्रचलन शुरू हुआ और इसके उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। यह बदलाव सबसे पहले पुरुषों में देखा गया, और बाद में महिलाएं भी इस प्रवृत्ति से जुड़ गईं। इनगेबोर्ग लुंड और कार्ल लुंड के 2014 के एक शोध पत्र में पाया गया कि जहाँ एक ओर स्नस का उपयोग बढ़ा, वहीं सिगरेट की बिक्री में गिरावट आई, लेकिन कुल तंबाकू खपत में कोई वृद्धि नहीं हुई, जिससे यह संकेत मिलता है कि "स्नस का उपयोग और सिगरेट पीने के बीच मजबूत विपरीत संबंध संभावित रूप से कारणात्मक हो सकता है।"[xliv]

इन नए स्नस उत्पादों में न केवल खास तौर पर तंबाकू में पाए जाने वाले नाइट्रोसामीन और पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन जैसे प्रमुख कार्सिनोजेन्स (कैंसर पैदा करने वाले रसायनों) का स्तर और कम था, बल्कि बाजार में उपलब्ध इसके उत्पादों के प्रकार में भी बदलाव आया। अब सामान्य रूप से मिलने वाले स्नस पाऊच ने पहले चलने वाले खुल्ले स्नस की जगह ले ली थी। [xlv] स्नस के इस नए रूप में इस्तेमाल के बाद थूकने की जरूरत नहीं होती और इसलिए उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक सुविधाजनक था और इसमें कई तरह के स्वाद भी जोड़े गए थे। इस कारण यह उत्पाद न केवल धूम्रपान करने वालों के लिए, बल्कि उन लोगों के लिए भी आकर्षक बन गया जो निकोटीन लेना चाहते थे पर जिन्होने पहले कभी तंबाकू का उपयोग नहीं किया था।[xlvi] वास्तव में, लुंड और लुंड के 2014 के शोध पत्र में यह सुझाव दिया गया कि "स्नस की बढ़ती और सिगरेट की घटती बाज़ार हिस्सेदारी का एक कारण यह हो सकता है कि स्नस उन युवाओं को आकर्षित करता है जो तंबाकू का सेवन करने की प्रवृत्ति रखते हैं और यदि उन्हें स्नस नहीं मिलती तो वे धूम्रपान शुरू कर सकते थे।"[xlvii] एक दूसरे शोध पत्र में इसे इस तरह कहा गया है: "हो सकता है स्नस की उपलब्धता ने तंबाकू लेने की पसंद में बदलाव ला दिया है और युवा पुरुषों में खास तौर से धूम्रपान की शुरुआत को कम करने में योगदान दिया हो।"[xlviii] 2020 तक स्नस पाऊच की लोकप्रियता इतनी अधिक हो गई कि खुल्ला स्नस का बाज़ार हिस्सा केवल 5% रह गया जबकि 2005 में यह 54% था।[xlix]

यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि स्नस की लोकप्रियता बढ़ने का इसकी मार्केटिंग से कोई लेना-देना नहीं था क्योंकि यह 1970 के दशक में लागू किए गए तंबाकू विज्ञापन पर प्रतिबंध के अंतर्गत ही आता है। लेकिन एक अध्ययन में सुझाव दिया गया है कि स्नस "पारंपरिक सिगरेट का एक व्यावहारिक विकल्प बनकर उभरा, क्योंकि यह बिना जलाए निकोटीन देता है और तंबाकू के धुएं में पाए जाने वाले हानिकारक तत्वों से भी बचाता है। इसके अलावा, स्नस का उपयोग धूम्रपान-निषिद्ध स्थानों में भी किया जा सकता है, इसकी कीमत तुलनात्मक रूप से कम है और इससे होने वाले संभावित नुकसान भी कम माने जाते हैं।"[l] यह आगे बताता है कि "स्नस ने सिगरेट की खपत में कमी लाने में तीन तरीकों से योगदान दिया है: धूम्रपान छोड़ने के एक उपाय के रूप में; तंबाकू की ओर झुकाव रखने वाले युवाओं के लिए एक वैकल्पिक उत्पाद के रूप में जो अन्यथा धूम्रपान शुरू कर सकते थे; और उन धूम्रपान करने वालों के लिए एक विकल्प के रूप में जो या तो धूम्रपान छोड़ना नहीं चाहते या नहीं छोड़ पा रहे।" जहाँ धूम्रपान प्रतिबंधित है, वहाँ सिगरेट पीने वाले लोग स्नस का चुपचाप उपयोग कर सकते हैं जिससे उनकी निकोटीन की लत से जुड़ी बेचैनी कम हो सकती है, और शायद इससे वे पूरी तरह से सिगरेट छोड़कर स्नस की ओर जा सकेंगे।[li]

एक अन्य अध्ययन में ऐसा सुझाव दिया गया है कि ऐसा हो सकता है कि स्नस की बढ़ती उपलब्धता ने धूम्रपान दरों को घटाने में मदद की हो क्योंकि इसने "निकोटीन के कम हानिकारक रूप को अपनाना आसान बनाया"।[lii] इस दावे का समर्थन उन निष्कर्षों से होता है जो बताते हैं कि स्नस धूम्रपान छोड़ने के लिए एक आमतौर पर इस्तेमाल किया जाने वाला और अक्सर पसंद किया जाने वाला तरीका है। ये निष्कर्ष यह भी बताते हैं कि स्नस का उपयोग, चिकित्सा निकोटीन उत्पादों की तुलना में सफलतापूर्वक धूम्रपान छोड़ने की संभावना को बढ़ा सकता है। इस अध्ययन में यह भी जोड़ा गया है कि देश में सबसे ज़्यादा स्नस उपयोगकर्ता ऐसे हैं जो पहले धूम्रपान करते थे, और दूसरे शोधों से यह भी सामने आया है कि "स्नस अपनाना नॉर्वे में धूम्रपान छोड़ने का सबसे प्रभावी और सफल तरीका प्रतीत होता है।"

स्नस को धूम्रपान करने वाले लोगों के लिए एक व्यवहार्य विकल्प माना जाता है क्योंकि यह ज्वलनशील सिगरेटों के समान मात्रा में निकोटीन देता है। [liii] स्नस कई लोगों के लिए, विशेष रूप से युवाओं के बीच, सिगरेट की तुलना में ज़्यादा आकर्षक विकल्प हो सकता है, क्योंकि यह सिगरेट से जुड़ी बदबू के बगैर के निकोटीन के सेवन की सुविधा देता है । इसके अलावा, इसको लेने के लिए नॉर्वे के ठंडे तापमान में बाहर खड़े भी नहीं होना पड़ता क्योंकि स्नस को घर के अंदर ही उपयोग किया जा सकता है। वहीं धूम्रपान करने वालों को बार और रेस्टोरेंट के बाहर ही धूम्रपान करना पड़ता है।

जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, स्नस का उपयोग करने से धूम्रपान करने वालों का खर्च भी कम हो सकता है, क्योंकि एक डिब्बा स्नस लगभग 80 क्रोनर में मिलता है, जबकि 20 सिगरेटों का एक पैकेट लगभग 140 क्रोनर में पड़ता है। [liv] स्नस की कीमत का यह लाभ आंशिक रूप से इस कारण भी है कि नॉर्वे के कई स्नस उपभोक्ता अपने उत्पाद स्वीडन से खरीदते हैं, जहाँ इसकी कीमतें कम हैं। इसके कारण नॉर्वे सरकार पर दबाव पड़ा कि वह दोनों देशों के बीच मूल्य अंतर को कम करने और नॉर्वे में बिक्री को प्रोत्साहित करने के लिए 2021 में स्नस पर लगाए गए कर को 25% तक कम करे।[lv]

इस प्रकार नॉर्वे सरकार ने स्नस को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के लिए सकारात्मक कदम उठाए हैं। लेकिन यह ऐसे समय में हुआ है जब नॉर्वे के स्वास्थ्य अधिकारी स्नस को धूम्रपान छोड़ने के साधन के रूप में उपयोग करने के विरुद्ध सलाह दे रहे थे, और यह चेतावनी भी दे रहे थे कि स्नस सिगरेट का सुरक्षित विकल्प नहीं है।[lvi] यह भी ध्यान देने योग्य है कि सभी तंबाकू उत्पादों, जिनमें स्नस के डिब्बे भी शामिल हैं, के लिए एक जैसी पैकेजिंग लागू करना, "तंबाकू मुक्त समाज" की दीर्घकालिक दिशा में किए जा रहे व्यापक प्रयासों का हिस्सा है, [lvii] पर इसमें सभी तंबाकू उत्पादों को, उनके हानिकारक स्तर की परवाह किए बिना, एक समान रूप से प्रस्तुत किया जाता है। 2018–2019 के सरकारी श्वेत पत्र में यह भी बताया गया था कि 2021 तक तो सरकार का एक उद्देश्य यह था कि "युवाओं में स्नस का उपयोग न बढ़े"।[lviii]

## निष्कर्ष

नॉर्वे ने यूरोप के कई देशों की तुलना में तंबाकू नियंत्रण कानूनों को बहुत पहले अपना लिया था, जिससे उसे धूम्रपान की दर घटाने की दिशा में एक प्रारंभिक बढ़त मिल गई। धूम्रपान के प्रति समाज में बढ़ती नकारात्मक सोच ने एक नए उत्पाद के लिए जगह बना दी, और चूँकि नॉर्वे में स्नस का लंबे समय से सांस्कृतिक रूप से प्रयोग होता रहा है, इसलिए यह सिगरेट की जगह उपयोग किए जाने वाला उत्पाद बन गया। सबसे अहम बात यह रही कि नॉर्वे यूरोपीय संघ के उस प्रतिबंध के अधीन नहीं था जो स्नस पर लागू होता है। हालांकि, इस सुरक्षित निकोटिन उत्पाद (SNP) के प्रचलन में वृद्धि इसलिए संभव हो सकी क्योंकि इसमें ऐसे नए-नए प्रोडक्ट बने जिससे यह पहले से अधिक सुरक्षित और उपयोग में सरल बन गया। यह उन लोगों के लिए विशेष रूप से आकर्षक बन गया जो धूम्रपान छोड़कर सुरक्षित विकल्प की ओर जाना चाहते थे। इसके अलावा, स्नस उन जगहों पर भी लिया जा सकता था जहाँ सिगरेट पीना प्रतिबंधित था, जिससे और भी ज़्यादा लोगों ने सिगरेट छोड़कर स्नस का विकल्प अपनाया। नॉर्वे में युवाओं में धूम्रपान लगभग समाप्त हो गया है और ऐसा माना जाता है कि स्नस ने कई संभावित सिगरेट पीने वालों को भी उससे दूर कर दिया। हालाँकि इसे एक सुरक्षित निकोटिन उत्पाद के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है, लेकिन नॉर्वे की सरकार ने कभी इसे खुलकर समर्थन नहीं दिया, क्योंकि उसका उद्देश्य सभी प्रकार के तंबाकू उत्पादों का प्रयोग समाप्त करना है। सरकार एक तरह से स्नस को भी धुएँ वाली तंबाकू की तरह ही मानती है, लेकिन उपभोक्ताओं ने अपनी ओर से यह परिवर्तन स्वीकार किया और अपने तथा आसपास के लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में तंबाकू हानि न्यूनीकरण को अपनाया। जैसा कि कार्ल लुंड ने कहा है: "नॉर्वे में लो-नाइट्रोसामीन स्नस की दीर्घकालिक उपलब्धता [...] यह दिखाती है कि अगर कम-जोखिम वाले तंबाकू उत्पाद को सिगरेट के साथ प्रतिस्पर्धा करने दिया जाए तो निकोटिन बाज़ार में क्या परिवर्तन हो सकता है।"[lix]

[i] Larsen, I. F. (1997). [Smoking and art. History of smoking in Norway in paintings]. *Tidsskrift for Den Norske Laegeforening: Tidsskrift for Praktisk Medicin, Ny Raekke*, *117*(30), 4418–4421.

[ii] Lund, K. E., Lund, M., & Bryhni, A. (2009). Tobakksforbruket hos kvinner og menn 1927–2007. *Tidsskrift for Den norske legeforening*. https://doi.org/10.4045/tidsskr.08.0248.

[iii] Gram, I. T., Antypas, K., Wangberg, S. C., Løchen, M.-L., & Larbi, D. (2022). Factors associated with predictors of smoking cessation from a Norwegian internet-based smoking cessation intervention study. *Tobacco Prevention & Cessation*, *8*, 38. https://doi.org/10.18332/tpc/155287.

[iv] Schwarzfeld, M. (2010, September 14). *How Snus Works*. HowStuffWorks. https://science.howstuffworks.com/snus.htm.

[v] Lund, K. E., & McNeill, A. (2013). Patterns of Dual Use of Snus and Cigarettes in a Mature Snus Market. *Nicotine & Tobacco Research*, *15*(3), 678–684. https://doi.org/10.1093/ntr/nts185.

[vi] Wang, H., Naghavi, M., Allen, C., Barber, R. M., Bhutta, Z. A., Carter, A., Casey, D. C., Charlson, F. J., Chen, A. Z., Coates, M. M., Coggeshall, M., Dandona, L., Dicker, D. J., Erskine, H. E., Ferrari, A. J., Fitzmaurice, C., Foreman, K., Forouzanfar, M. H., Fraser, M. S., … Murray, C. J. L. (2016). Global, regional, and national life expectancy, all-cause mortality, and cause-specific mortality for 249 causes of death, 1980–2015: A systematic analysis for the Global Burden of Disease Study 2015. *The Lancet*, *388*(10053), 1459–1544. https://doi.org/10.1016/S0140-6736(16)31012-1.

[vii] *Tobacco Control in Norway*. (2023, August 23). Helsedirektoratet. https://www.helsedirektoratet.no/english/tobacco-control-in-norway.

[viii] Lund, I., & Lund, K. E. (2014a). Lifetime smoking habits among Norwegian men and women born between 1890 and 1994: A cohort analysis using cross-sectional data. *BMJ Open*, *4*(10), e005539. https://doi.org/10.1136/bmjopen-2014-005539.

[ix] Hansen, M., Licaj, I., Braaten, T., Langhammer, A., Marchand, L., & Gram, I. (2019). Smoking related lung cancer mortality by education and sex in Norway. *BMC Cancer*, *19*. https://doi.org/10.1186/s12885-019-6330-9.

[x] Inger Kristin Larsen (Ed.). (2022). *Cancer in Norway 2021* [Cancer incidence, mortality, survival and prevalence in Norway]. Cancer Registry of Norway. https://www.kreftregisteret.no/globalassets/cancer-in-norway/2021/cin_report.pdf.

[xi] Hansen, M. S., Licaj, I., Braaten, T., Lund, E., & Gram, I. T. (2021). The fraction of lung cancer attributable to smoking in the Norwegian Women and Cancer (NOWAC) Study. *British Journal of Cancer*, *124*(3), 658–662. https://doi.org/10.1038/s41416-020-01131-w.

[xii] *Tobacco Control in Norway*, 2023.

[xiii] *Tobacco Control in Norway*, 2023.

[xiv] Joossens, L., Olefir, L., Feliu, A., & Fernandez, E. (2022). *The Tobacco Control Scale 2021 in Europe*. Tobacco Control Scale. https://www.tobaccocontrolscale.org/.

[xv] Rimpelä, M. K., Aarø, L. E., & Rimpelä, A. H. (1993). The effects of tobacco sales promotion on initiation of smoking—Experiences from Finland and Norway. *Scandinavian Journal of Social Medicine. Supplementum*, *49*, 5–23.

[xvi] Klepp, K. I., & Solberg, B. (1990). [Effect of the law against smoking at the work place. A study done among employees of the city of Bergen]. *Tidsskrift for Den Norske Laegeforening: Tidsskrift for Praktisk Medicin, Ny Raekke*, *110*(1), 22–25.

[xvii] *Key Dates in Tobacco Regulation 1962—2020*. (2022, April). ASH. https://ash.org.uk/resources/view/key-dates-in-tobacco-regulation.

[xviii] *Norway 2023*. (2023). Nanny State Index. https://nannystateindex.org/norway-2023/.

[xix] Lund, I., & Sæbø, G. (2023). Vaping among Norwegians who smoke or formerly smoked: Reasons, patterns of use, and smoking cessation activity. *Harm Reduction Journal*, *20*(1), 35. https://doi.org/10.1186/s12954-023-00768-z.

[xx] *Tobacco Control in Norway*, 2023.

[xxi] Aambø, A. K., Lindbak, R., Edbo, M., & Solbakken, K. (2018). Norway introduces standardised packaging on smokeless tobacco. *Tobacco Induced Diseases*, *16*(1). https://doi.org/10.18332/tid/83826.

[xxii] *Branded Norwegian cigarettes and snus to be consigned to history*. (2018, June 27). WHO FCTC. https://extranet.who.int/fctcapps/fctcapps/fctc/kh/slt/news/branded-norwegian-cigarettes-and-snus-be-consigned-history.

[xxiii] *Norway*. (2024, June 11). Tobacco Control Laws. https://www.tobaccocontrollaws.org/legislation/norway/packaging-labeling/health-warnings-messages-features.

[xxiv] Salokannel, M., & Ollila, E. (2021). Snus and snus-like nicotine products moving across Nordic borders: Can laws protect young people? *Nordic Studies on Alcohol and Drugs*, *38*(6), 540–554. https://doi.org/10.1177/1455072521995704.

[xxv] *Tobacco Control in Norway*, 2023.

[xxvi] Dawson, F. (2022, February 9). Changes to Norwegian rules unlikely to have much impact on the market. *TobaccoIntelligence*. https://tobaccointelligence.com/changes-to-norwegian-rules-unlikely-to-have-much-impact-on-the-market/.

[xxvii] *Tobacco Control in Norway*, 2023.

[xxviii] Salokannel & Ollila, 2021.

[xxix] *New tobacco and nicotine products—Norwegian Customs*. (2024, August 2). Toll.No. http://www.toll.no/en/goods/new-tobacco-and-nicotine-products/.

[xxx] *Tobacco Control in Norway*, 2023.

[xxxi] *Impact assessment*. (2023). EFTA surveillance authority. https://www.eftasurv.int/cms/sites/default/files/documents/gopro/E%C3%98S-h%C3%B8ring%20e-sig%202023%20-%20Impact%20assessment%20-%20endelig%20versjon.pdf.

[xxxii] *Norway. Legislation by Country/Jurisdiction*. (2024, June 11). Tobacco Control Laws. https://www.tobaccocontrollaws.org/legislation/norway/e-cigarettes.

[xxxiii] *Electronic cigarettes (e-cigarettes)*. (2024, January 9). Norwegian Medical Products Agency. https://www.dmp.no/en/manufacturing-import-and-retailing-of-medicines/import-and-wholesaling-of-medicines/electronic-cigarettes-e-cigarettes.

[xxxiv] *Electronic cigarettes (e-cigarettes)*, 2024.

[xxxv] Lund, K. E. (2021). Hva vil effekten av et smaksforbud på e-sigaretter være? *Forebygging.no. Nasjonal kunnskapsbase og tidsskrift for helsefremmende og rusforebyggende arbeid*.

GSTHR
BRIEFING PAPERS

https://doi.org/10.21340/5bb0-af04. (Translated from the Norwegian original.)
xxxvi *New tobacco and nicotine products—Norwegian Customs*, 2024.
xxxvii I. Lund & Sæbø, 2023.
xxxviii I. Lund & Sæbø, 2023.
xxxix Vedøy, T. F., & Lund, K. E. (2023, April 12). *Utbredelse av e-sigaretter/fordampere i Norge*. Folkehelseinstituttet. https://www.fhi.no/le/royking/tobakkinorge/bruk-av-tobakk/utbredelse-av-e-sigaretter-og-fordampere-i-norge/.
xl *Tobacco, alcohol and other drugs*. (2024, January 18). Statistisk Sentralbyrå (Statistics Norway, SSB). https://www.ssb.no/en/helse/helseforhold-og-levevaner/statistikk/royk-alkohol-og-andre-rusmidler.
xli *Snus more used than cigarettes*. (2018, January 18). Statistisk Sentralbyrå (Statistics Norway, SSB). https://www.ssb.no/en/helse/artikler-og-publikasjoner/snus-more-used-than-cigarettes.
xlii K. E. Lund & McNeill, 2013.
xliii Rutqvist, L. E., Curvall, M., Hassler, T., Ringberger, T., & Wahlberg, I. (2011). Swedish snus and the GothiaTek® standard. *Harm Reduction Journal*, *8*(1), 11. https://doi.org/10.1186/1477-7517-8-11.
xliv Lund, I., & Lund, K. E. (2014b). How Has the Availability of Snus Influenced Cigarette Smoking in Norway? *International Journal of Environmental Research and Public Health*, *11*(11), 11705–11717. https://doi.org/10.3390/ijerph111111705.
xlv Grøtvedt, L., Forsén, L., Ariansen, I., Graff-Iversen, S., & Lingaas Holmen, T. (2019). Impact of snus use in teenage boys on tobacco use in young adulthood; a cohort from the HUNT Study Norway. *BMC Public Health*, *19*(1), 1265. https://doi.org/10.1186/s12889-019-7584-5.
xlvi I. Lund & Lund, 2014b.
xlvii I. Lund & Lund, 2014b.
xlviii Lund, K. E., Vedøy, T. F., & Bauld, L. (2017). Do never smokers make up an increasing share of snus users as cigarette smoking declines? Changes in smoking status among male snus users in Norway 2003–15. *Addiction*, *112*(2), 340–348. https://doi.org/10.1111/add.13638, p. 20.
xlix Vedøy, T., & Lund, K. (2022). Nicotine Content in Swedish-Type Snus Sold in Norway From 2005 to 2020. *Nicotine & Tobacco Research*, *24*. https://doi.org/10.1093/ntr/ntac006, p. 2.
l I. Lund & Lund, 2014b.
li Grøtvedt, Forsén, Ariansen, Graff-Iversen, & Lingaas Holmen, 2019.
lii Sæther, S. M. M., Askeland, K. G., Pallesen, S., & Erevik, E. K. (2021). Smoking and snus use among Norwegian students: Demographic, personality and substance use characteristics. *Nordisk Alkohol- & Narkotikatidskrift : NAT*, *38*(2), 141–160. https://doi.org/10.1177/1455072520980219.
liii Foulds, J., Ramstrom, L., Burke, M., & Fagerstrom, K. (2003). Effect of smokeless tobacco (snus) on smoking and public health in Sweden. *Tobacco Control*, *12*(4), 349–359. https://doi.org/10.1136/tc.12.4.349.
liv *What is snus and why do so many Norwegians use it?* (2021, June 28). The Local Norway. https://www.thelocal.no/20210628/what-is-snus-and-why-do-so-many-norwegians-use-it.
lv *Norway—Tobacco Industry Interference Index 2021*. (2021). Global Tobacco Index 2021. https://globaltobaccoindex.org/download/1384.
lvi I. Lund & Lund, 2014b.
lvii *Branded Norwegian cigarettes and snus to be consigned to history*, 2018.
lviii *Public Health Report – A Good Life in a Safe Society* (No. 19 (2018-2019) I-1193 E; White Paper). (2019). Ministry of Health and Care Services, Norway. https://www.regjeringen.no/contentassets/84138eb559e94660bb84158f2e62a77d/nn-no/sved/publichealthreport.pdf.
lix Report of Dr Karl Lund, Norwegian Institute of Public Health (30 January 2017) for the High Court of Justice, Queen's Bench Division. 'The Queen on the application of Swedish Match AB -v- The Secretary of State for Health'. Claim number CO/3471/2016.

ग्लोबल स्टेट ऑफ टोबैको हार्म रिडक्शन के काम के बारे में अधिक जानकारी के लिए, या इस जीएसटीएचआर ब्रीफिंग पेपर में उठाए गए बिंदुओं के लिए, कृपया **info@gsthr.org** पर संपर्क करें।

हमारे बारे में: **नॉलेज·एक्शन·चेंज** (K•A•C) नुकसान में कमी को मानवाधिकारों पर आधारित एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीति के रूप में बढ़ावा देती है। टीम के पास नशीली दवाओं के उपयोग, एचआईवी, धूम्रपान, यौन स्वास्थ्य और जेलों में नुकसान कम करने के काम का चालीस वर्षों से अधिक का अनुभव है। K•A•C **ग्लोबल स्टेट ऑफ टोबैको हार्म रिडक्शन (GSTHR)** चलाती है जो दुनिया भर के 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों में तंबाकू से नुकसान में कमी के विकास और सुरक्षित निकोटीन उत्पादों के उपयोग, उपलब्धता और नियामक प्रतिक्रियाओं के साथ-साथ धूम्रपान के प्रचलन और संबंधित मृत्यु दर को दर्शाता है। सभी प्रकाशनों और लाइव डेटा के लिए, **https://gsthr.org** पर जाएं

हमारा वित्तपोषण: जीएसटीएचआर परियोजना ग्लोबल एक्शन टू एंड स्मोकिंग (जिसे पहले फ़ाउंडेशन फ़ॉर ए स्मोक-फ़्री वर्ल्ड के नाम से जाना जाता था) से प्राप्त अनुदान की मदद से तैयार की गई है, जो एक स्वतंत्र, अमेरिकी गैर-लाभकारी 501(सी)(3) अनुदान देने वाला संगठन है, जो धूम्रपान महामारी को समाप्त करने के लिए दुनिया भर में विज्ञान-आधारित प्रयासों को गति देता है। ग्लोबल एक्शन ने इस ब्रीफ़िंग पेपर के डिज़ाइन, कार्यान्वयन, डेटा विश्लेषण या व्याख्या में कोई भूमिका नहीं निभाई। तथ्यों की सामग्री, चयन और प्रस्तुति, साथ ही व्यक्त की गई कोई भी राय, लेखकों की एकमात्र ज़िम्मेदारी है और इसे **ग्लोबल एक्शन टू एंड स्मोकिंग** के रुख को दर्शाने वाला नहीं माना जाना चाहिए।

gsthr.org
@globalstatethr
@gsthr